



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 243]
No. 243]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 2, 1996/श्रावण 11, 1918
NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 2, 1996/SRAVANA 11, 1918

नागर विमानन मंत्रालय
अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 जुलाई, 1996

सा.का.नि. 349(अ).—वायुयान (संशोधन) नियम, 1995 का प्रारूप, वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 14 की अपेक्षाानुसार भारत सरकार के नागर विमानन मंत्रालय की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 577, तारीख 14 दिसम्बर, 1995 के साथ भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (i) तारीख 30 दिसम्बर, 1995 के पृष्ठ 2815 पर प्रकाशित किया गया था, जिसके द्वारा ऐसे सभी व्यक्तियों से, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी, आक्षेप और सुझाव आमंत्रित किए गए थे;

और उक्त अधिसूचना की प्रतियां 16 जनवरी, 1996 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं ;

और उक्त प्रारूप नियमों पर कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, वायुयान नियम, 1937 का और संशोधन करने के लिए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्—

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वायुयान (संशोधन) नियम, 1996 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

- वायुयान नियम, 1937 के नियम 30 में, —

- (1) उपनियम (1) में, —

(क) “निर्माणकर्ता का संख्यांक” शब्दों के स्थान पर, “निर्माणकर्ता का संख्यांक, विनिर्माण का वर्ष” शब्द रखे जाएंगे ;

(ख) “रजिस्ट्रीकरण की तारीख” शब्दों के स्थान पर, निम्नलिखित शब्द और परन्तुक रखे जाएंगे, अर्थात् :—

“रजिस्ट्रीकरण की तारीख:

परन्तु यह कि पट्टे पर लिए गए वायुयान की दशा में, रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में, नाम, राष्ट्रीयता तथा पट्टाकर्ता और पट्टेदार के पते भी सम्मिलित होंगे।” ;

- (2) उपनियम (2) के खंड (क) में, उपखंड (iii) के स्थान पर निम्नलिखित उपखंड रखे जाएंगे, अर्थात् :—

“(iii) केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार या उक्त किसी सरकार के स्वामित्वाधीन या नियंत्रणाधीन किसी कंपनी या निगम द्वारा ; या

(iv) भारत से भिन्न अन्यत्र रजिस्ट्रीकृत किसी कंपनी या निगम द्वारा परन्तु ऐसी कंपनी या निगम ने उक्त वायुयान को, उपखंड (i) उपखंड

(ii) या उपखंड (iii) में उल्लिखित किसी व्यक्ति को पट्टे पर दे दिया है; और”

(1)

(3) उपनियम (6) के स्थान पर, निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(6) केन्द्रीय सरकार, भारत में रजिस्ट्रीकृत वायुयान का रजिस्ट्रीकरण किसी भी समय रद्द कर सकेगी, यदि यह समाधान हो जाता है कि रजिस्ट्रीकरण उपनियम (2) के उपबंधों के अनुरूप नहीं है या रजिस्ट्रीकरण मिथ्या जानकारी देकर अभिप्राप्त किया गया है या कि वायुयान का रजिस्ट्रीकरण किसी अन्य देश में और अधिक उपयुक्त रूप से हो सकता था या लोकहित में यह असमीचीन है कि वायुयान भारत में रजिस्ट्रीकृत रहना चाहिए”।

[फा. सं. एवी—11012/4/94-ए]

अनिल बैजल, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पणी :—मुख्य नियम अधिसूचना सं. बी-26 दिनांक 23 मार्च, 1937 को भारतीय राजपत्र खण्ड 1 में दिनांक 27 मार्च, 1937 में छपी हुई थी, तदुपरान्त नियम 30 पुनः संशोधित सा. का. नि. 36 दिनांक 7 जनवरी, 1992 में लिया गया।

MINISTRY OF CIVIL AVIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 31st July, 1996

G.S.R. 349 (E).—Whereas the draft of the Aircraft (Amendment) Rules, 1995, was published as required by section 14 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934) at pages 2815-16 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated the 30th December, 1995, with the notification of the Government of India in the Ministry of Civil Aviation No. GSR 577 dated the 14th December, 1995, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby;

And whereas the copies of the said notifications were made available to the public on 16th January, 1996;

And whereas no objections or suggestions have been received on the said draft rules;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 5 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, namely :—

1. (1) These rules may be called the Aircraft (Amendment) Rules, 1996.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In rule 30 of the Aircraft Rules, 1937,—
 - (1) in sub rule (1),
 - (a) for the words “construction’s number”, the words “constructor’s number, year of manufacture”, shall be substituted;
 - (b) for the words “date of registration”, the following words and proviso shall be substituted, namely :—
“date of registration:
Provided that in the case of a leased aircraft, the certificate of registration shall also include the names, nationalities and addresses of the lessor and the lessee.”;
 - (2) in sub-rule (2), in clause (a), for sub-clause (iii), the following sub-clauses shall be substituted, namely:—
“(iii) by the Central Government or any State Government or any company or Corporation owned or controlled by either of the said Governments; or
“(iv) by a company or corporation registered elsewhere than in India, provided that such company or corporation has given the said aircraft on lease to any person mentioned in sub-clause (i), sub-clause (ii), or sub-clause (iii); and”
 - (3) for sub-rule (6), the following sub-rule shall be substituted, namely :—
“(6) The registration of an aircraft registered in India may be cancelled at any time by the Central Government if it is satisfied that the registration is not in conformity with the provisions of sub-rule (2) or that the registration has been obtained by furnishing false information or that the aircraft could more suitably be registered in some other country or that it is inexpedient in the public interest that the aircraft should remain registered in India.”

[F. No. AV-11012/4/94-A]

ANIL BAIJAL, Jt. Secy.

FOOT NOTE.—The Principal Rules were published vide notification No. V-26 dated 23rd March, 1937 in the Gazette of India, Part I, dated 27th March, 1937.

Rule 30 was subsequently amended by G.S.R. 36 dated 7th January, 1992.